# यूपी के सबसे बड़े टेक्सटाइल पार्क में आएंगे दिग्गज ब्रांड

## लखनऊ और हरदोई के बीच होगा विकसित, कई बड़े कारोबारियों ने मांगी जमीन, यूपी न केवल देश बल्कि बांग्लादेश की रेडीमेड वस्त्र उद्योग को भी देगा टक्कर

अमर उजाला ब्यूरो

**लखनऊ।** लखनऊ और हरदोई के बीच विकसित होने वाले मेगा टेक्सटाइल पार्क में बड़े ब्रांड्स ने प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया है। अंबानी, वर्धमान, अरविंद मिल्स सहित देशभर के दिग्गज कारोबारी ब्रांड्स ने यहां आने के लिए जमीन मांगी है। इस टेक्सटाइल पार्क में एक दर्जन से ज्यादा बड़े उद्योग स्थापित होने का रास्ता साफ है। इसी के साथ यूपी न केवल देश का का बल्कि बांग्लादेश की रेडीमेड वस्त्र उद्योग को भी टक्कर देने की तैयारी कर रहा है।

हरदोई-लखनऊ सीमा पर 1162 एकड़ में बनने वाले मेगा टेक्सटाइल पार्क की अवस्थापना और सुविधाओं के लिए विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। पार्क की हदबंदी के साथ सड़कों, पार्क, औद्योगिक इकाइयों के लिए भूखंडों की नापजोख भी शुरू हो गई है।

एमएसएमई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक मेगा टेक्सटाइल पार्क में इकाई लगाने के लिए देश के दिग्गज ब्रांड्स ने रुचि जाहिर की है। अभी तक मुकेश अंबानी की रिलायंस, वर्धमान, आहूजा, इनलाइन और अरविंद मिल्स सहित एक दर्जन से ज्यादा बड़े उद्योग समूहों ने निवेश का प्रस्ताव दिया है।

**जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सिस्टम से लैस किया जा रहा पार्क :** एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि टेक्सटाइल पार्क ईको फ्रेंडली होगा। कॉमन ट्रीटमेंट प्लांट (सीटीपी), कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी), सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के अतिरिक्त पूरा पार्क जेएलडी (जीरो लिक्विड डिस्चार्ज) तकनीक पर काम करेगा। यानी किसी भी तरह के हानिकारक केमिकल या तरल पदार्थ का डिस्चार्ज इकाई के बाहर नहीं होगा। इस पार्क में धागा बनाने से लेकर रेडीमेड कपड़े बनाने तक की इकाइयां स्थापित होंगी।

फाइल फोटो

### दस हजार करोड़ का होगा निवेश

इस पार्क में बड़े ब्रांड्स स्थापित होने की वजह से दस हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश संभावित है। मेगा टेक्सटाइल पार्क से 50 हजार से ज्यादा लोगों को सीधे तौर पर रोजगार मिलेगा। कम से कम 400 छोटी इकाइयों का जन्म होगा। यूपी से बड़े ब्रांड्स निकलेंगे।

### टेक्सटाइल पार्क में '5 एफ' फॉर्मूला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए 5 एफ का फॉर्मूला दिया है। दरअसल 5 एफ एक विजन है, जिसमें फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्टरी, फैक्टरी टू फैशन, फैशन टू फॉरेन का फॉर्मूला शामिल है। यूपी का मेगा टेक्सटाइल पार्क भी इसी विजन के साथ काम करेगा। इससे कपड़ा क्षेत्र में क्रांतिकारी विकास होगा। इस पार्क में कपड़े तैयार करने से लेकर उनकी मार्केटिंग, डिजाइनिंग और निर्यात सभी एक जगह पर होंगे।

- **ब्रांड यूपी के साथ ब्रांड इंडिया को मजबूती :** राकेश सचान के मुताबिक प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता से तैयार हो रहा ये पार्क रेडीमेड सेक्टर में दुनिया में भारत का सिक्का जमाएगा। अभी भारत दुनिया में कपड़ों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है। अगले पांच वर्षों में 100 अरब डॉलर के कपड़ा निर्यात का लक्ष्य है। निर्यात लक्ष्य पूरा करने के लिए भी पांच प्रमुख क्षेत्रों परिधान, कपड़े, घरेलू वस्त्र, कृत्रिम फाइबर एवं धागे और टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र में रणनीति बनाई जाएगी।